क्या छापना है

- **एक बार, अपने लिए:** run.pdf, 1 पेज। सत्र चलाते समय इसे हाथ में रखें।
- **हर लड़की के लिए एक प्रति:** sheets.pdf, 2 पेज। पन्ना क और पन्ना ख। यानी हर लड़की के लिए 2 पेज।
- **इन्हें छापना ज़रूरी नहीं:** इस मार्गदर्शिका के पेज 7 से 10, यानी उत्तर। सत्र इनके बिना भी चलता है।

मार्गदर्शिका, डूबेगा या तैरेगा

समूह: 4 से 16 लड़कियाँ · सतत विकास लक्ष्य 4, 5 · हिन्दी संस्करण · प्रकाशित · AI translation from English master, Machine translation; English master by Nameet Potnis

इस संस्करण के बारे में। इस संस्करण का अनुवाद अंग्रेज़ी पैक से एआई ने किया है। इसमें ग़लतियाँ हो सकती हैं। अगर कुछ ठीक करना हो या किसी बात को अलग ढंग से कहना हो, तो hello@potnis.org पर लिखें — हम इसे सुधार देंगे।

About this edition. This edition was translated from the English pack with AI. It may contain mistakes. Write to hello@potnis.org if something should be fixed or said differently — we will update it.

कमरे में जाने से पहले

- **चीज़ पानी को छुए, उससे पहले अंदाज़ा पन्ने पर आ जाए। ग़लत निकला अंदाज़ा कभी ग़लती नहीं है।**
- हर चीज़ एक रात पहले अपने कटोरे में आज़मा लें। दो-तीन ऐसी चीज़ें दूसरे दौर के लिए रखें जो कभी ऊपर रहती हैं, कभी नीचे जाती हैं, जैसे ढक्कन या काग़ज़ का टुकड़ा।
- एक छिछला कटोरा, आधा भरा, फ़र्श पर या नीची मेज़ पर। आप पूरे समय उससे हाथ भर की दूरी के अंदर रहें और आख़िर में उसे ख़ुद ख़ाली करें।
- बारह से ज़्यादा लड़कियाँ हों तो दूसरा कटोरा रखें या लड़कियों की जोड़ियाँ बनाएँ, नहीं तो लाइन में इंतज़ार से कमरा हाथ से निकल जाता है।
- चीज़ें क्यों तैरती हैं, इसका कोई नियम कभी न बताएँ। देखकर बताया नहीं जा सकता, इसीलिए हम आज़माते हैं।

इसे एक बार घर पर पढ़ लें। कमरे में आपको सिर्फ़ सत्र योजना चाहिए। यहाँ जहाँ भी "आप" लिखा है, उसका मतलब है जो भी सत्र चला रहा हो: शिक्षक, स्वयंसेवक, बड़ी बहन। पन्नों पर "दीदी" लिखा है; सत्र कोई और चला रहा हो तो बच्चियों से वही नाम कहें जिससे वे आपको बुलाती हैं।

यह किसके लिए है

- **4 से 7 साल की उम्र के लिए।** वे लड़कियाँ जो कोई छोटी चीज़ पकड़कर पानी में डाल सकती हैं। इस सत्र में कहीं भी पढ़ने, लिखने या गिनने की ज़रूरत नहीं है।
- **देखना और समझना।** यह पैक किसी चीज़ को ध्यान से देखने से एक पायदान ऊपर है। यहाँ वह कुछ होने से पहले बताती है कि उसके हिसाब से क्या होगा। यह ज़्यादा कठिन काम है, और कहीं ज़्यादा काम का भी।

- **समूह का आकार।** एक कटोरे के चारों ओर 4 से 16 लड़कियाँ। बारह से ऊपर हों तो या तो दूसरा कटोरा रखें, या लड़कियों की जोड़ियाँ बनाएँ ताकि दो के पास एक चीज़ हो और हर एक का अपना एक अंदाज़ा, नहीं तो इंतज़ार इतना लंबा हो जाता है कि कमरा हाथ से निकल जाता है।
- **एक कमरे में अलग-अलग स्तर।** चार साल की और सात साल की लड़की वही पानी, वही चीज़ें और वही दो पन्ने इस्तेमाल करती हैं, और आगे बढ़ने की गुंजाइश गतिविधि के अंदर ही है। जो लड़की अभी शुरू कर रही है, वह हाथ से एक इशारा करती है, एक चीज़ पानी में डालती है, और जो हुआ उस पर निशान लगाती है। जो लड़की आगे है, वह उसी तरह की दूसरी चीज़ आज़माने से पहले उसका अंदाज़ा लगाती है, बताती है कि उसे ऐसा क्यों लगता है, और पन्ना ख के पीछे तीसरी चीज़ का अंदाज़ा उसे छुए बिना लगाती है। किसी को अलग पन्ना नहीं मिलता।

आपको क्या चाहिए

- पानी का एक छिछला कटोरा, तसला या चौड़ी परात, पूरे समूह के लिए एक, क़रीब आधा भरा। कपड़े धोने का तसला सबसे अच्छा है। अगर पास में सिर्फ़ बाल्टी हो, तो उससे किसी छिछले बर्तन में पानी डालें और बाल्टी कमरे से बाहर रखें
- मिली हुई चीज़ें, हर तरह की दो: हथेली भर के पत्थर, पत्ते, डंडियाँ, बोतल के बड़े ढक्कन, धातु का एक चम्मच, लकड़ी का एक चम्मच, काग़ज़ के टुकड़े, बीज की बड़ी फलियाँ, कपड़े का एक टुकड़ा। हर तरह की दो हों, तभी दूसरा दौर चलता है
- हर लड़की के लिए एक पन्ना क और एक पन्ना ख
- हर लड़की के लिए एक पेंसिल, या दो के बीच एक
- गिरा पानी पोंछने के लिए एक कपड़ा या पोंछा, और बाद में पानी उँडेलने की कोई जगह
- **मुफ़्त और वैकल्पिक:** कुछ नहीं
- **यहाँ किसी चीज़ पर पैसा नहीं लगता।** पानी अकेली चीज़ है जो हर जगह मुफ़्त नहीं है। सोलह के समूह के लिए दो लीटर काफ़ी है, और वही कटोरा हर लड़की के काम आता है, इसलिए बारियों के बीच कुछ फेंका नहीं जाता। आख़िर में पानी नाली में बहाने के बजाय किसी पौधे, रास्ते या खेत में उँडेल दें।

सत्र इस तरह क्यों बना है

कटोरा भरने से पहले, इस मार्गदर्शिका के आख़िर के पास "सुरक्षा का ध्यान" में पानी के नियम पढ़ लें।

अंदाज़ा ही पूरा पैक है। जो लड़की अंदाज़ा लगाती है और ग़लत निकलती है, उसने उस लड़की से ज़्यादा सीखा है जो सिर्फ़ देखती रही, क्योंकि उसे पता चला कि दुनिया उसकी सोच से अलग हो सकती है। यहाँ यही सबक़ है, और यह तभी काम करता है जब चीज़ के पानी छूने से पहले अंदाज़ा दर्ज हो चुका हो। इसलिए पहले हाथ उठता है, पहले पन्ने पर निशान लगता है, और जब तक दोनों न हो जाएँ, पानी में कुछ नहीं जाता। कभी समय कम पड़े तो आज़माई जाने वाली चीज़ें कम करें, अंदाज़ा लगाना कभी नहीं।

मुँह से पहले हाथ और निशान। इस कमरे की ज़्यादातर लड़कियाँ लिख नहीं पातीं, और कुछ अभी अपना नाम भी नहीं लिख पातीं, इसलिए जो दर्ज होता है वह हाथ का इशारा और पेंसिल का निशान है। हाथ ऊँचा यानी चीज़ ऊपर रहेगी। हाथ नीचा यानी चीज़ नीचे जाएगी। इसे पहले चार मिनट में सिखाएँ और पूरे सत्र में इस्तेमाल करें। पन्ना देते समय उसका नाम उसके पन्ने पर लिख दें, इससे पहले कि उसे कहना पड़े।

सारे इशारे एक साथ लें। एक-एक करके पूछें तो कमरा पहले हाथ की नक़ल करता है। तीन से उलटी गिनती करें और हर हाथ एक ही पल में लें, फिर चारों ओर देखकर उन्हें ज़ोर से गिनें: "चार हाथ ऊपर, सात हाथ नीचे।" उस पल कोई ग़लत नहीं है, क्योंकि अभी

कुछ आज़माया ही नहीं गया।

यहाँ ग़लत निकला अंदाज़ा कभी ग़लती नहीं है। इसे अपने शब्दों में, कई बार कहें: "जो अंदाज़ा अलग निकले, वह भी अच्छा अंदाज़ा है।" नतीजा आने के बाद किसी लड़की से अंदाज़े का निशान बदलने को कभी न कहें। पास-पास लगे दो निशान जो आपस में नहीं मिलते, इस पैक का पूरा हुआ काम हैं, पन्ने की कमी नहीं।

उसे यह न बताएँ कि चीज़ें क्यों तैरती हैं। बताने का मन करेगा, और सात साल की लड़की पूछेगी भी। इस उम्र के लिए सच्चा जवाब यह है कि देखकर बताया नहीं जा सकता, और ठीक इसीलिए हम आज़माते हैं। जो भी छोटा नियम मन में आए, वह कक्षा के सामने झूठा निकलता है: बड़ी डंडी तैरती है और छोटी कील सीधी नीचे जाती है, सूखा पत्ता तैरता है और गीला डूब जाता है, चम्मच डूबता है और उसी धातु की बनी नाव नहीं डूबती। सवाल उसी को लौटा दें और आज़माने के लिए एक और चीज़ दें। ठीक-ठीक शब्द "उत्तर और क्या कहें" में दिए हैं।

उसी तरह की दूसरी चीज़ ही आगे की चुनौती है। जब वह एक पत्थर आज़मा ले, उसे दूसरा पत्थर दें। अब उसके पास सोचने का कुछ आधार है, और अंदाज़ा अँधेरे में तीर नहीं रहता, सोची-समझी बात बन जाता है। कभी वह सही बैठेगा और कभी नहीं, और दोनों नतीजे अच्छे हैं। यहीं सात साल की लड़की को उसकी चुनौती मिलती है, उस गतिविधि को छोड़े बिना जो चार साल की बच्चियाँ कर रही हैं।

सबको शामिल करना

जो लड़की अभी पढ़ नहीं पाती। यह सत्र उससे कुछ भी पढ़ने को नहीं कहता। पन्नों के शब्द, ऊपर, नीचे, एक जैसे और एक जैसे नहीं, आप ज़ोर से पढ़ें, एक बार, हर शब्द बोलते समय उस पर उँगली रखकर, और वह जो कहना चाहती है उस पर निशान लगाती है। उसका अंदाज़ा सिर्फ़ हाथ का इशारा भी हो सकता है। अगर वह अपनी चीज़ के लिए कोई शब्द लिखवाना चाहे, तो वह आपको बताए, आप उसे हल्के हाथ से लिख दें, और वह उस पर पेंसिल फेर ले। आख़िर में उसके हाथ में वही दो पन्ने होते हैं जो बाक़ी सबके हाथ में हैं।

जो लड़की देर से आए। दरवाज़े पर ही उसके हाथ में एक चीज़ रखें और एक वाक्य कहें: "अंदाज़ा लगाओ, यह पानी में क्या करेगी। ऊपर के लिए हाथ ऊपर, नीचे के लिए हाथ नीचे।" फिर वह पन्ना क पर निशान लगाए और कटोरे पर अगली बारी ले। पूरा काम इतना ही है, और इसके लिए पहले के किसी क़दम की ज़रूरत नहीं। अगर वह दूसरे दौर में आए, तो वह दो की जगह एक चीज़ करे और कमरे के साथ ही पूरा करे। समूह के सामने उससे कभी न पूछें कि वह कहाँ थी।

कमरे में लड़के। लड़के वही गतिविधि करते हैं, उन्हीं चीज़ों, उसी पानी और उन्हीं पन्नों के साथ। दो बातें सत्र को लड़कियों पर टिकाए रखती हैं, और दोनों में से कोई किसी को बाहर नहीं भेजती: लड़कियाँ कटोरे पर अपनी बारी पहले लेती हैं और समापन के घेरे में पहले बोलती हैं, और आप ध्यान रखें कि सबसे तेज़ आवाज़ नतीजा तब न पुकार दे जब उसके पास बैठी लड़की अभी तय कर रही हो। कटोरे पर भी नज़र रखें। अगर कोई एक बच्चा उसके सामने आकर वहीं जम गया है, तो उसे कपड़ा पकड़ने का काम दे दें।

जो लड़की पानी छूना नहीं चाहती। कुछ लड़कियाँ कटोरे के पास हाथ नहीं ले जाना चाहेंगी, और कुछ घरों में यह डर नहीं, समझदारी की आदत है। वह अंदाज़ा लगाए, फिर अपनी चीज़ पानी में डालने के लिए आपको या किसी जोड़ीदार को दे दे, और ख़ुद देखे और निशान लगाए। काम का जो भी हिस्सा मायने रखता है, वह उसने पूरा किया है।

अगर कुछ बिगड़ जाए

हाथ पानी में, और कटोरा खिसकता हुआ। दो-तीन लड़कियाँ एक साथ हाथ डालती हैं, कटोरा खिसकता है, और बहुत सा पानी फ़र्श पर गिर जाता है। ऐसा होता है और यह शरारत नहीं है, यह पानी के पास बैठे छोटे बच्चे हैं। एक हाथ कटोरे के किनारे पर रखें और वहीं रखे रहें, कहें "हाथ गोद में, हम एक-एक करके चलेंगे", और बात जारी रखते हुए कपड़े से पोंछ दें। अगर कमरा फिर भी शांत न हो, तो कटोरा नीची मेज़ पर अपनी गोद की ऊँचाई पर रख लें ताकि वह सिर्फ़ वहीं से पहुँच में हो जहाँ आप बैठे हैं, और कटोरा सबके लिए खुला छोड़ने के बजाय हर लड़की को अपने पास बुलाएँ। इस पर बात करने के लिए सत्र न रोकें, और जिन लड़कियों ने हाथ डाला उनका नाम न लें।

वह देखने के बाद अपना अंदाज़ा मिटा देती है। उसने "ऊपर" पर निशान लगाया, चीज़ नीचे गई, और वह चाहती है कि पन्ना सही दिखे, इसलिए वह निशान बदल देती है या पन्ना छिपा लेती है। यह पैक चुपचाप सबसे ज़्यादा इसी तरह नाकाम होता है, क्योंकि पूरी बात ही दोनों निशानों के फ़र्क़ में है। एक वाक्य कहें: "उसे रहने दो, वह तुम्हारे पन्ने का सबसे अच्छा निशान है।" फिर उसके साथ "एक जैसे नहीं" पर निशान लगाएँ और बताएँ कि यह क्यों मायने रखता है: "तुमने वह बात पता की जो तुम्हें नहीं पता थी। हम यही करने आए हैं।" अगर वह पहले ही मिटा चुकी है, तो इसे बात का बतंगड़ न बनाएँ। उससे पूछें कि उसका अंदाज़ा क्या था, वह चाहे तो ख़ुद लिख दें, और उसे दूसरी चीज़ पर लगा दें। पन्ना साफ़-सुथरा करने के लिए कभी कोई निशान न मिटाएँ, और जिस पन्ने पर अंदाज़ा सही बैठा उसे कभी अच्छे पन्ने के तौर पर उठाकर न दिखाएँ।

इसे अपने हिसाब से ढालना

- जहाँ आप पढ़ाते हों, वहाँ ज़मीन पर जो भी पड़ा हो वही लें। हथेली भर के पत्थर, डंडियाँ, पत्ते, बड़े ढक्कन, चम्मच, बीज की बड़ी फलियाँ, मुड़ा हुआ काग़ज़, कपड़े का टुकड़ा, फल के छिलके का टुकड़ा। पैक को सिर्फ़ जोड़े चाहिए, ताकि दूसरे दौर में उसी तरह की कोई चीज़ हो।
- पानी के ऊपर और नीचे के लिए, और डूबने और ऊपर रहने के लिए, वही शब्द बोलें जो आपकी लड़कियाँ घर पर बोलती हैं। पन्नों के शब्द तो आप वैसे भी ज़ोर से पढ़ते ही हैं।
- अगर मौसम और ज़मीन साथ दें, तो बाहर चौड़ी परात के साथ सत्र करना अंदर कटोरे के साथ करने से बेहतर है। पानी गिरने की चिंता ख़त्म हो जाती है।
- दो छिछले कटोरे सोलह के समूह का इंतज़ार आधा कर देते हैं। तीन और भी अच्छे हैं, और उन्हें अपने सामने एक छोटी क़तार में रखकर आप तीनों की पहुँच में रहें।
- अगर पानी कम हो, तो सत्र एक कटोरे और कम चीज़ों के साथ चलाएँ: पूरा समूह मिलकर चार चीज़ें आज़माए और हर लड़की हर बार अंदाज़ा लगाए, तो वही बात सीखी जाती है जो सोलह चीज़ों से।
- अगर आपका समूह फिर मिलता है, तो चीज़ें एक थैले में रख लें। अगला सत्र एक चीज़ उठाकर और अंदाज़े पूछकर शुरू करें, इससे पहले कि कोई पानी देखे।

इसे छोटा या लंबा चलाना

30 मिनट। 0 से 4 आस्तीनें ऊपर, हाथ बाहर और इशारा, 4 से 11 पहले अंदाज़ा फिर पानी में, 11 से 18 हर लड़की की एक चीज़, 18 से 25 वैसी ही एक और, 25 से 30 बताओ किस बात ने चौंकाया। नए समूह के लिए यही पैक का असली रूप है और इसमें कुछ भी घटाया नहीं गया है। इसमें जो छूटता है वह समापन के घेरे का समय है, इसलिए हो सकता है किसी चुप रहने वाली लड़की को

यह बताने की बारी न मिले कि उसे किस बात ने चौंकाया। अगर आपके पास कोई चुप रहने वाली लड़की है, तो घेरा उसी से शुरू करें।

45 मिनट। 0 से 6 आस्तीनें ऊपर, हाथ बाहर और इशारा, 6 से 17 पहले अंदाज़ा फिर पानी में, 17 से 26 हर लड़की की एक चीज़, 26 से 38 वैसी ही एक और, 38 से 45 बताओ किस बात ने चौंकाया। बढ़े हुए मिनट अंदाज़ा लगाने में जाते हैं, नए काम में नहीं। हर लड़की से कम से कम एक बार पूछा जाता है "तुम्हें ऐसा क्यों लगता है?", और दूसरे दौर में पन्ना ख के पीछे उसी तरह की तीसरी चीज़ आती है।

60 मिनट। 0 से 8 आस्तीनें ऊपर, हाथ बाहर और इशारा, 8 से 22 पहले अंदाज़ा फिर पानी में, 22 से 34 हर लड़की की एक चीज़, 34 से 50 वैसी ही एक और, 50 से 60 बताओ किस बात ने चौंकाया। यह लंबाई सिर्फ़ उस जमे हुए समूह के साथ चलाएँ जो पहले से आधा घंटा बैठ लेता है, और आधे रास्ते में पानी के नियम फिर से जाँच लें, क्योंकि पानी के कटोरे पर ध्यान पहले घटता है और उसमें दिलचस्पी बाद में। बढ़े हुए समय में एक दौर जुड़ता है जिसमें पूरा समूह मिलकर एक चीज़ का अंदाज़ा लगाता है, इससे पहले कि कोई उसे आज़माए, और आख़िर में दो-तीन मिनट इस पर कि अगली बार क्या आज़माएँ। इसमें कोई नया पन्ना नहीं जुड़ता, क्योंकि इस उम्र में लंबे सत्र का मतलब है ज़्यादा अंदाज़े, ज़्यादा सामग्री नहीं।

समापन, हर रूप में। पहले पानी बाहर जाता है, फिर घेरा। हर लड़की अपने शब्दों में एक बात बताती है जिसने उसे चौंकाया, और "मुझे किसी बात ने नहीं चौंकाया" एक असली जवाब है जिस पर कोई टिप्पणी नहीं होती। फिर ख़ुद एक आख़िरी चीज़ उठाएँ, पूरे कमरे के हाथ एक साथ लें, और उसे पानी में डालें। जिस अंदाज़े को समूह ने मिलकर लगाया उस पर ख़त्म करने से हर कोई वही काम करके बाहर जाता है जिसके लिए यह पैक है।

सुरक्षा का ध्यान

पानी के नियम, और वे छोटे क्यों हैं। इस उम्र में पानी को सँभालना होता है, उसकी चिंता में घुलना नहीं। पाँच नियम, शुरू में साफ़ शब्दों में कहे जाएँ और फिर निभाए जाएँ:

- कटोरा फ़र्श पर या नीची मेज़ पर रहता है, छिछला और क़रीब आधा भरा। गहरी बाल्टी, ड्रम या टब कभी नहीं, जिसे छोटा बच्चा उलट दे या जिसमें वह गिर जाए।
- आप पूरे सत्र में कटोरे से हाथ भर की दूरी के अंदर रहें। कमरे के उस पार नहीं, बोर्ड के पास नहीं। उसकी पहुँच में, पूरे समय।
- कुछ भी शुरू होने से पहले आस्तीनें ऊपर, आपकी भी और लड़कियों की भी।
- यह पानी कोई नहीं पीता, और कोई अपना चेहरा इसके पास नहीं ले जाता। इसे पहले मिनट में एक बार, शांति से कहें: "यह पानी हमारी चीज़ों के लिए है, हमारे मुँह के लिए नहीं।"
- आख़िरी बारी के ठीक बाद पानी ख़ुद ख़ाली करें, जब लड़कियाँ अभी घेरे में ही हों। छोटे बच्चों वाले कमरे में रखा रह गया पानी ही वह चीज़ है जो बाद में बिगड़ती है, जब पाठ ख़त्म हो चुका होता है और उस पर किसी की नज़र नहीं होती।

पानी गिरते ही पोंछ दें ताकि कोई फिसले नहीं। किसी बच्चे को कटोरा उठाकर न ले जाने दें, और किसी को उसे भरने या ख़ाली करने कभी न भेजें। जो चीज़ें आज़माई जाती हैं वे बच्ची के हाथ में और उसके चेहरे के पास जाती हैं, इसलिए उन्हें वैसे ही जाँचें जैसे इस शेल्फ़ का हर पैक कहता है: जो चीज़ आपके अँगूठे और पहली उँगली से बने छल्ले के अंदर समा जाए, वह इस कमरे के लिए बहुत छोटी है। आख़िर में उन्हें गिनकर वापस लें। अगर कोई लड़की दोनों हाथ डालकर पानी उछाले, तो यह मामूली बात है, ख़तरनाक नहीं। उसके हाथ सुखाएँ और आगे बढ़ें।

CC BY 4.0 · Potnis Family / potnis.org. अंग्रेज़ी में लेखन और संपादन: Nameet Potnis. यह हिन्दी संस्करण अंग्रेज़ी से एआई का किया अनुवाद है; किसी इंसान ने इसे हिन्दी में जाँचा नहीं है। श्रेय देकर कॉपी करें, छापें, ढालें और बाँटें।

उत्तर और संचालन के संकेत

उत्तर और क्या कहें, डूबेगा या तैरेगा

इस संस्करण के बारे में। इस संस्करण का अनुवाद अंग्रेज़ी पैक से एआई ने किया है। इसमें ग़लतियाँ हो सकती हैं। अगर कुछ ठीक करना हो या किसी बात को अलग ढंग से कहना हो, तो hello@potnis.org पर लिखें — हम इसे सुधार देंगे।

About this edition. This edition was translated from the English pack with AI. It may contain mistakes. Write to hello@potnis.org if something should be fixed or said differently — we will update it.

उत्तर

इस पैक में कोई एक सही उत्तर नहीं है। हर अंदाज़ा मान लें, क्योंकि अंदाज़ा उत्तर नहीं है और उसे कभी जाँचा नहीं जाता। देखना यह है कि चीज़ पानी में जाने से पहले अंदाज़ा पन्ने पर आ गया था, और आख़िर में सुनना यह है कि किसी हैरानी के बारे में एक सच्चा वाक्य कहा गया।

नतीजा भी अपने आप में उपलब्धि नहीं है। जिस लड़की का अंदाज़ा अलग निकला, उसने ठीक वही किया है जिसके लिए यह सत्र है।

अपनी चीज़ें एक रात पहले, अपने कटोरे में आज़मा लें। यह उत्तर जाँचना नहीं है, यह उन हैरानियों से बचना है जिन्हें कमरे में सँभाला न जा सके। कुछ चीज़ें उसी पानी में हर बार एक ही काम करती हैं: पत्थर नीचे जाता है, धातु का चम्मच नीचे जाता है, डंडी ऊपर रहती है। कुछ चीज़ें दोनों करती हैं, और वही अच्छी हैं: बोतल का बड़ा ढक्कन खोखली तरफ़ ऊपर करके गिरे तो ऊपर रहता है और भर जाए तो नीचे चला जाता है, काग़ज़ का टुकड़ा ऊपर रहता है और भीगते-भीगते धीरे से नीचे जाता है, पत्ता सूखा और गीला अलग-अलग बर्ताव करता है। ऐसी दो-तीन चीज़ें दूसरे दौर के लिए रखें, क्योंकि हैरानी वहीं बसती है।

पन्ना तब पूरा है जब:

पन्ना	कब पूरा है
क	डिब्बे में कुछ बना हो, अंदाज़े का एक निशान, नतीजे का एक निशान, और "एक जैसे" या "एक जैसे नहीं" में से एक पर निशान। दोनों निशानों का मिलना ज़रूरी नहीं
ख	दूसरा चित्र, आज़माने से पहले लगा अंदाज़े का निशान, नतीजे का निशान, "एक जैसे" या "एक जैसे नहीं" में से एक पर निशान, और हैरानी वाले डिब्बे में एक चित्र

चीज़ों की अदला-बदली खुलकर कहें। हथेली भर के पत्थर, डंडियाँ, पत्ते, बड़े ढक्कन, चम्मच, बीज की बड़ी फलियाँ, काग़ज़ और कपड़ा, सब एक ही काम करते हैं। जहाँ आप पढ़ाते हों, वहाँ ज़मीन पर जो पड़ा हो वही लें, और पानी के ऊपर और नीचे के लिए वही शब्द बोलें जो आपकी लड़कियाँ घर पर बोलती हैं।

आपको क्या दिख सकता है

पन्ने पर क्या है	आगे क्या सुझाएँ
अंदाज़े का निशान और नतीजे का निशान जो नहीं मिलते, और "एक जैसे नहीं" पर निशान	यही इस पैक का पूरा हुआ काम है। यह कहें भी: "तुमने वह बात पता की जो तुम्हें नहीं पता थी।" फिर उसे उसी तरह की दूसरी चीज़ दें और उसे छूने से पहले अंदाज़ा माँगें
अंदाज़े का निशान और नतीजे का निशान जो दोनों पन्नों पर मिलते हैं	उसे दोनों करने वाली चीज़ों में से एक दें, ढक्कन या काग़ज़ का टुकड़ा, और पानी में जाने से पहले उसका अंदाज़ा लें। पूछें "तुम्हें ऐसा क्यों लगता है?" और वह चाहे तो उसके शब्द डिब्बे के नीचे लिख दें
एक चित्र और नतीजे का निशान, पर अंदाज़े का निशान नहीं	अगली चीज़ के लिए उसके पास बैठें और पहले अंदाज़ा हाथ के इशारे से लें, फिर जब उसका हाथ अभी उठा हो तभी उसे निशान लगाने दें। निशान हाथ के बाद आ सकता है, पानी के बाद कभी नहीं
दोनों डिब्बों में चित्र, कहीं कोई निशान नहीं, और उसने पूरे सत्र में हाथों से जवाब दिया	उसने पैक पूरा किया है। शब्द एक बार फिर उँगली रखकर ज़ोर से पढ़ें, और वह जो कहना चाहती है उस पर निशान लगाने दें। अगर वह न चाहे, तो पन्ना जैसा है वैसा छोड़ दें
अंदाज़े का निशान मिटाकर नतीजे से मिलता हुआ दोबारा बनाया गया	कहें "अगला वाला रहने देना, चाहे जो हो"। फिर दूसरी चीज़ उसके साथ करें और उसके अंदाज़े के निशान के पास अपनी उँगली रखें ताकि वह वहीं रहे। पहले पन्ने पर कुछ दोबारा नहीं करना है

जहाँ बात अटकती है

क्या होता है	क्या कहें या करें
वह पूछती है कि चीज़ ऊपर क्यों रही	"तुम्हें क्या लगता है?" उसका जवाब लें, जो भी हो। फिर: "सिर्फ़ देखकर कोई नहीं बता सकता। इसीलिए हम इसे पानी में डालते हैं।" फिर आज़माने के लिए एक और चीज़ दें
सात साल की लड़की असली कारण के लिए ज़ोर देती है	"इसका एक लंबा जवाब है और वह तुम्हें स्कूल में मिलेगा। आज हम आज़माकर पता कर रहे हैं।" फिर उसे तीन और चीज़ें आज़माने दें, हर एक का अंदाज़ा पहले
छोटा नियम बता देने का मन करता है	न बताएँ। भारी और हल्का कक्षा के सामने नहीं चलता: बड़ी डंडी ऊपर रहती है और छोटी कील सीधी नीचे जाती है। जो नियम कटोरे में टूट जाए, वह कोई नियम न होने से ज़्यादा महँगा पड़ता है
कमरा पहले उठे हाथ की नक़ल करता है	"नज़र अपने हाथ पर।" तीन से उलटी गिनती करें और हर हाथ एक ही पल में लें। फिर उन्हें ज़ोर से गिनें ताकि दोनों जवाब आम बात लगें
वह देखने के बाद अपने अंदाज़े का निशान बदल देती है	"उसे रहने दो, वह तुम्हारे पन्ने का सबसे अच्छा निशान है।" उसके साथ "एक जैसे नहीं" पर निशान लगाएँ। पन्ना साफ़-सुथरा करने के लिए कभी कोई निशान न मिटाएँ
दो लड़कियाँ बहस करती हैं कि किसका अंदाज़ा सही था	"आज हम यह नहीं गिन रहे कि कौन सही था। हम यह गिन रहे हैं कि हमें किस बात ने चौंकाया।" फिर दोनों से पूछें कि उसे किस बात ने चौंकाया। सही अंदाज़ों का हिसाब कभी न रखें, न बोर्ड पर, न मन में रखकर ज़ोर से बोलते हुए
उसकी चीज़ ऊपर रहती है और एक मिनट बाद नीचे चली जाती है	"ये दोनों बातें सच में हुईं।" उसने जो पहले देखा उस पर निशान लगाने दें और वह चीज़ हैरानी वाले डिब्बे में बनाने दें। जो चीज़ दोनों करती है, वह कटोरे की सबसे अच्छी चीज़ है
सारे हाथ एक साथ पानी में चले जाते हैं	एक हाथ कटोरे के किनारे पर, "हाथ गोद में, एक-एक करके", और बात जारी रखते हुए पोंछ दें। सत्र न रोकें और किसी का नाम न लें
वह पानी के पास हाथ नहीं ले जाती	वह अंदाज़ा लगाए, फिर अपनी चीज़ पानी में डालने के लिए आपको या किसी जोड़ीदार को दे, और ख़ुद देखे और निशान लगाए। काम दोनों तरह वही है
वह कहती है कि उसे किसी बात ने नहीं चौंकाया	"तो यही तुम्हारा जवाब है।" यह असली जवाब है और इस पर कोई टिप्पणी नहीं होती। उससे पूछें कि वह अगली बार कौन सी चीज़ आज़माएगी
वह कहती है कि उसका चित्र ग़लत या भद्दा है	"यह तुम्हारी चीज़ है, और ऐसी किसी और के पास नहीं है।" फिर पूछें कि उसने पानी में क्या किया, और उसी हिस्से को मायने रखने दें
वह अपना नाम नहीं लिख पाती	पन्ना देते समय आप लिख दें, इससे पहले कि उसे कहना पड़े

कहें "तुम्हें क्या लगता है?", कभी नहीं "नहीं, कारण यह नहीं है"। कहें "पहले अंदाज़ा", कभी नहीं "यह तो तुम्हें पता होना चाहिए"। किसी एक लड़की का पन्ना अच्छे पन्ने के तौर पर कभी उठाकर न दिखाएँ: अगर समूह को कुछ दिखाना हो, तो कोई चीज़ उठाएँ और सबके हाथ एक साथ लें।

अगर कोई गंभीर बात सामने आए। इतना छोटा सत्र शायद ही किसी भारी बात तक जाता है, पर अगर कोई लड़की ऐसा कुछ कहे जिससे आपको चिंता हो, तो समूह को तुरंत कटोरे पर वापस ले आएँ और सत्र को आम ढंग से चलने दें। दूसरों के सामने उससे कुछ न पूछें। बाद में उससे अकेले में बात करें, थोड़ी देर, और ज़्यादा कहने का कोई दबाव डाले बिना, और आपके स्कूल या संस्था में बच्चों की सुरक्षा का जो भी रास्ता पहले से तय है, उसी दिन उस पर चलें। अगर कोई रास्ता तय नहीं है, तो उसी दिन किसी बड़े ज़िम्मेदार व्यक्ति को बताएँ। इसके बारे में उसके पन्ने पर कुछ न लिखें।

सत्र के बाद

कमरा छोड़ने से पहले जाँच लें कि कटोरा ख़ाली है और फ़र्श सूखा है। यह पानी का आख़िरी नियम है और सबसे आसानी से यही भूलता है, क्योंकि तब तक लगता है कि पाठ ख़त्म हो गया।

चीज़ें किसी थैले या डिब्बे में रखें, और दोनों करने वाली चीज़ें अलग रखें, क्योंकि अगला सत्र उन्हीं से चलता है। पन्ना क एक नज़र में बता देता है कि अगली बार किसके पास बैठना है: वे पन्ने ढूँढें जिन पर नतीजे का निशान है और अंदाज़े का नहीं, और उस लड़की का अंदाज़ा ज़ोर से, हाथ के इशारे से लें, इससे पहले कि वह कुछ भी छुए।

इस पैक में किसी चीज़ पर न अंक मिलते हैं, न गिनती होती है, न रिपोर्ट बनती है। अगला पायदान है एक ही चीज़ को दो बार आज़माकर देखना कि वह दोनों बार वही करती है या नहीं।

CC BY 4.0 · Potnis Family / potnis.org